

हुकम जारी दिनांक 23-9-19
वर्ष 1919
के पेश है

उपखण्ड अधिकारी
खरवाडा जि उदयपुर

23-9

पत्रावली पेश हुई। पत्रावली में वादी
आधिकारिता उपस्थित हुई। पत्रावली लम्बे
समय से साक्ष्य वाद में चल रही है। वादी
आधिकारिता को साक्ष्य वाद प्रस्तुत करने
है। अन्तिम से अन्तिम अवसा देने के
बावजूद साक्ष्य वाद प्रस्तुत नहीं किए
जाने के पत्रावली में साक्ष्य वाद बंद किया
जाता है। पत्रावली को साक्ष्य वाद के अन्त
में पत्रावली खारिज की जाती है। पत्रावली
में इसी स्तर पर कार्यवाही समाप्त
की जाती है। अन्तिम वादी को साक्ष्य
प्रस्तुत करने के पत्रावली अवसा दिए
जाने के बावजूद भी साक्ष्य प्रस्तुत
नहीं करते यह जाहिर होता है कि
वादी वाद को चलाने का इच्छुक
नहीं है। जबकि वाद को समाप्त करने
का सम्पूर्ण भार वादी पर होता है।
अतः बेसी परिस्थिति में वाद का
आगे चलाना निरर्थक होकर मात्र
समाप्त का सम्भव जाना करने
के अधिक कुप्य भी नहीं है।

अतः पत्रावली निरस्त की जाकर
पेंसल समाप्त होकर नम्बर से कटती है।